

काल में कितनी प्रतिशत उनकी संख्या कम हुई और चौथी पंचवर्षीय योजना में जो रूरल मैनवावर प्रोग्राम बनाया गया है उसके अंतर्गत कितनी संख्या कम हो गई ?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: In the Third Plan a target of employment opportunities for 14 million was set, of which 105 million were to be outside agriculture and 35 million within agriculture. The assessment indicates that the Third Plan would be able to provide opportunities for about 9.5 million outside agriculture and 3.5 million within agriculture.

श्री भगवत नारायण भर्गव : चौथी पंचवर्षीय योजना के बारे में भी मेरा सवाल था ।

श्री जयसुख लाल हाथी : चौथी का अभी विचार हो रहा है ।

SHRI B. K. GAIKWAD: What is the percentage of agriculturists and agricultural labourers today?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: That figure I have not got with me.

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि तृतीय पंचवर्षीय योजना की शुरुआत में अग्रिकलचरल लेबर की संख्या क्या थी और इन चार वर्षों में हर वर्ष कितनी कमी हुई और रेकॉर्ड फाइव डायर प्लान के अन्त में जितनी थी उससे आज बढ़ोतरी हुई है या कमी हुई है और बढ़ोतरी हुई है तो कितनी हुई है ?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: *wftt* !? || In the Second Five Year Plan the target of employment of 10 million was set of which 8 million was to be outside agriculture and the balance within agriculture. The actual achievement under the Plan was 6.5 million outside agriculture and 1.5 million within agriculture.

SHRI M. M. DHARIA: Is the Government considering to have an enactment of the nature of minimum wages for agricultural labourers while bringing down the proportion?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: Perhaps that might be under the consideration of the Labour Ministry.

PAKISTANIS RESIDING IN INDIA SECRETLY

*807. PROF. SATYAVRATA SIDDHANTALANKAR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item in 'Nava Bhafat Times' of 26th May, 1965 in which a spokesman of the Uttar Pradesh Government is reported to have said that the investigation during the last two months had revealed that about 2,000 Pakistanis were residing secretly in that State; and

(b) if so, whether Government have asked other States to undertake such an investigation to find out as to how many Pakistanis were secretly residing in India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI JAISUKHLAL HATHI): (a) Yes, Sir.

(b) Yes. But the information regarding the number of such Pakistani nationals has not been received from all State Governments.

प्र० सत्यव्रत सिद्धान्तलंकर : श्रीमान्, पाकिस्तान से जो लोग यहां पर आए हैं वे तीन कोटि के हैं : एक तो वे हैं जो कि काश्मीर के अंदर शस्त्रास्त्र लेकर घुसे हैं जिनको बसपेड वाले कहा जाता है, दूसरे वे हैं जो कि छतरियां से गिराये गये हैं भारतवर्ष के अंदर, तीसरे वे हैं जो कि छुप छुप कर इस सत के शुरू से भारतवर्ष में आना प्रारम्भ हुए हैं जिनकी संख्या आपने स्वीकार की है कि उत्तर प्रदेश में 2,000 के लगभग हैं । उत्तर प्रदेश में

2,000 के लगभग जब इस तरह के पाकिस्तानी हैं तो अन्य प्रान्तों के अन्दर भी होंगे और उनकी संख्या कुल मिलाकर पांच छः हजार के लगभग होगी। तो ऐसे लोग जो छतरी से गिराये गये हैं और जो काश्मीर के अंदर घुसपैस से आए हैं वे इस भरोसे पर आए होंगे कि उनका यहां पर स्वागत करने वाला, छुपाने वाला, रखने वाला होगा क्योंकि बाकी यहां के भारतवासी मुसलमान लोग तो पूरे हिन्दुस्तान के साथ हैं। इसलिये जब तक आने वालों को यह भरोसा न हो कि उनका स्वागत करने वाला भी होगा तब तक वे यहां आ नहीं सकते इसलिये वे लोग छतरी वालों से और घुसपैस वालों से भी ज्यादा भयंकर हैं क्योंकि उनका आसरा यहीं हो सकता है। तो मैं यह प्रश्न करना चाहता हूं कि यह जो 2,000 या 5,000 के लगभग लोग आए उनको कैसा आने दिया गया ?

श्री जयसुख लाल हाथी : मेरे ख्याल से सदस्य साहिब ने एक बयान किया, सवाल तो नहीं पूछा। लेकिन तीन किस्म के जो आने वाले लोग बताए उससे ज्यादा किस्म के हैं। आपने कहा कि काश्मीर में इन्फिल्ट्रेटर्स आए, वह एक प्रकार है। दूसरे आपने कहा कि जो छतरी से आए, पैराटूर्न्स, वह हुए। तीसरा, आपने कहा कि छुप छुप कर आए। ये तीन प्रकार के आपने कहे। लेकिन जो यहां पाकिस्तानी नेशनल्स हैं इससे भी ज्यादा उनकी कैटेगरी हो सकती हैं। मैं बताऊं कौन कौन कैटेगरी होती हैं। तीन तो आपने कहे, ठीक है। छुप छुप कर आए जैसे आसाम, बेस्ट बंगाल, त्रिपुरा में आए हैं। चौथे वे हैं जो ट्रवल डाक्यूमेन्ट के साथ आए हैं विद् पासपोर्ट एण्ड बीजा, लेकिन उनके बीजा का समय खत्म हो गया है तो भी रहते हैं। पांचवें होते हैं कि जो आए और उसके बाद वहां रहने लगे 1952 से लेकर 1957 तक, जब हमने इतनी स्ट्रिक्ट विजिलेन्स नहीं रखी थी। चौथे जो मैंने कहा वह हैं कि जब परमिट सिस्टम था था और पाकिस्तान में लोग दो, तीन, चार महीने के लिये गये, इस दरमियान पास-

पोर्ट सिस्टम शुरू हो गया, वहां से उनको आने का मौका नहीं मिला जब तक कि वे पाकिस्तान का पासपोर्ट न लें और उनको पाकिस्तान का पासपोर्ट लेना पड़ा। फिर वे पाकिस्तानी नेशनल बन गए। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनको हम हर साल एक एक साल की नियाद देते हैं। लेकिन वह बात ठीक है कि 2,000 आदमी जो उत्तर प्रदेश में हैं सारे देश में इसी प्रकार के आदमी जो पासपोर्ट बीजा पर आए हैं और पहले से आए हैं और अभी भी सीक्रेटरी रहते हैं उनकी संख्या 5,000 के करीब होगी। हमने हर एक स्टेट गवर्नमेंट को लिखा है कि ऐसे नेशनल्स जो अन्टीजायरेबल हों, सणपिणस किस्म के हों उनको इन्टर्न किया जाय, डीटेन किया जाय और उनके मूवमेंट पर रेस्ट्रिक्शन रखा जाय।

प्र.० सत्यव्रत सिद्धांतालंकार : श्रीमान्, पाकिस्तान रेडियो से यह घोषणा प्रसारित हुई है कि बाहर की लड़ाई तो समाप्त हो गई है लेकिन अंदर की लड़ाई चलेगी और अंदर की लड़ाई जिस तरह से चल सकती है वह आप जानते हैं कि किस तरह से वे सैबोटाज करेंगे, किस तरह से क्या कुछ करेंगे। इसलिये क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या सक्षम कायवाही उनके विरुद्ध की जायगी? क्या यह नहीं हो सकता कि प्रत्येक भारतवासी को रजिस्टर कर दिया जाय चाहे हिन्दू हो, मुसलमान हो, पारसी हो, ईसाई हो और रजिस्ट्रेशन करते हुए इस बात का पता लगाया जाय कि कौन पाकिस्तानी है और कौन पाकिस्तानी नहीं है ?

श्री जयसुख लाल हाथी : जब तक पाकिस्तान के साथ काश्मीर का सवाल है वह तो बिल्कुल सही बात है कि कुछ गड़बड़ कर कर्कशे इन्फिल्ट्रेटर्स। तो इन्फिल्ट्रेटर्स को तो निकालना ही पड़ेगा और खत्म करना पड़ेगा, उसके लिये कोई कांस्टीट्यूशनल और लीगल कार्यवाही हो नहीं सकती, उनको तो हटाना होगा, निकालना पड़ेगा, खत्म करना पड़ेगा। जहां तक ऐसे लोग हैं जो 1952 में आ गए

और यहां रहते हैं उनके लिये हम कार्यवाही करेंगे कि ऐसे लोगों को तलाश कर कर के निकाल दिया जाय।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धांतालंकार : सिर्फ एक प्रश्न मेरा और है। शकल से तो पता नहीं लग सकता कि यह आदमी पाकिस्तानी है या हिन्दुस्तानी है आप चुन चुन कर कैसे निकालेंगे, शकल से निकलना हो तो बड़ा आसान है लेकिन अगर कोई पाकिस्तानी है तो पाकिस्तान उसके दिल के अंदर बैठा हुआ है, माथे के अंदर नहीं बैठा हुआ है ?

श्री जयमुख लाल हाथी : यह बात सही है कि शकल में नहीं लिखा हुआ है, यही दिक्कत है, लेकिन हर आदमी को रजिस्टर कर सकेंगे, जैसे इलेक्टोरल रोल में हर आदमी रजिस्टर होता है लेकिन रजिस्टर करने के बाद एक एक आदमी को शहर शहर में, गांव गांव में ढूँढ कर निकालना मुश्किल बहुत है। लेकिन ऐसे पांच छः हजार आदमी हैं जिनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिये हमने हर एक डिस्ट्रिक्ट आफिसर, पुलिस आफिसर को कहा है कि जो कोई बाहर का आदमी मालूम पड़े उसको इन्टरोगेट करे, पूछताछ करे और उसके बारे में जांच पड़ताल करे।

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I would like to know what has happened to the Pakistani paratroopers who were dropped between Delhi and Meerut by a transport plane which crashed. The remains of the plane are there but there is nothing known about the crew who have neither been found dead nor captured. Uttar Pradesh claims that no paratroopers were dropped while New Delhi claims that some were dropped. May I know whether the Central Intelligence had made enquiries in this matter?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: Yes, Sir, enquiries were made and they were found somewhere round about Punjab.

شیعی عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائیں گے کہ آئیندہ ملک میں بے ایمان لوگ نہ آ سکیں، چاہے وہ پاکستانی ہوں یا مخالف لوگ ہوں۔ کیا ان کے بارے میں کوئی انڈینٹٹی کارڈ کا راستہ نکالا جائے گا جس سے کہ بوکس ووٹرس نہ بن سکیں؟ دوسری بات میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ جو لوگہاں ہندوستانی ہائی کمیشن سے ویزا یا پاس پورٹ لے کر آئی ہیں انہیں ہدایت کے طور پر پکڑا گیا ہے تو کیا انہیں گورنمنٹ دے کر دے کرنے کے بارے میں سوچہنگی؟

†[श्री अब्दुल गनी : क्या वजीर साहिब फर्मायेंगे कि आर्यदा मुल्क में बेईमान लोग न आ सकें, धोकाबाज लोग न आ सकें, चाहे वे पाकिस्तानी हों या मुस्लिम लोग हों, क्या उनके बारे में कोई आईडेंटिटी कार्ड का रास्ता निकाला जाएगा जिस से कि बोगस वोटर न बन सकें? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो लड़कियाँ हिन्दुस्तानी हाई कमिशन से वीजा या पासपोर्ट ले कर आई हैं, उन्हें हिदायत के तौर पर पकड़ा गया है तो क्या उन्हें गवर्नमेंट रिहा करने के बारे में सोचेगी?]

श्री जयमुख लाल हाथी : जो लोग पासपोर्ट और वीजा लेकर यहां आये हैं और जिनके बारे में हमें यह सूचना मिली है कि वे सशस्त्रीय करेक्टर के लोग हैं उन्हें गिरफ्तार किया गया है और जो दूसरे किस्म के लोग हैं उनके सूबमेंट पर रजिस्ट्रेशन लगाया गया है।

شیعی عبدالغنی : مہرا جواب نہیں ملا، جو لوگہاں پکڑی گئی تھیں؟

†[1 Hindi transliteration.

†[श्री अब्दुल सनी : मेरा जवाब नहीं मिला, जो लड़कियाँ पकड़ी गई थीं ?]

श्री जयसुख लाल हाथी : इस तरह के लोग सारे हिन्दुस्तान में पकड़े गये हैं।

شری عبدالغنی : میں پنجاب کے کورنگوں ضلع کی بات کر رہا ہوں -

†[श्री अब्दुल सनी : मैं पंजाब के गड़गाओं जिला की बात कर रहा हूँ।]

श्री जयसुख लाल हाथी : इसके बारे में मैं पंजाब सरकार से मालूम करूंगा।

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: May I know whether the hon. Minister has got any statistics about Delhi about the number of Pakistanis overstaying here? I am asking this question because in the papers, about a week ago, there was a news that quite a good number of Pakistanis are overstaying. I want to know what has happened to them.

SHRI JAISUKHLAL HATHI: About seventy people have been detained.

SHRI B. K. P. SINHA: Sir, the hon. Minister has said that there are different categories of Pakistanis in India. One of these categories is of those Indian Muslims who on some temporary business or some other work went to Pakistan when there was no permit system and then the permit system was introduced and the passport system was introduced. They were Indian citizens and they wanted to remain Indian citizens but because of the permit and passport system they could not come back unless they took a Pakistani passport. The force of circumstances compelled them to take a Pakistani passport. What is the number of such persons whom I consider Indian nationals in India at present and on whom, by treating

them as other Pakistani citizens Government is perpetrating, in my opinion, a cruelty and" is forcing them, these loyal Indians, to remain Pakistani citizens?

SHRI JAISUKHLAL HATHI: It is difficult to find out whether they wanted to come back to India or they wanted to stay there. They have come here On passports. They have made some representation, some people have made, that they had been there, they wanted to come back and in the meantime this system of passport was introduced and they had to take out a Pakistani passport. In such cases, we allow them to stay here.

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि पाकिस्तान जो यह प्रचार कर रहा है कि हिन्दुस्तान की सरकार पाकिस्तानियों के बजाय इंडियन मुसलमानों को गिरफ्तार कर रही है, उसके बारे में क्या तथ्य है ?

श्री जयसुख लाल हाथी : जो इंडियन मुसलमान गिरफ्तार किये गये हैं वे डिफेन्स आफ इंडिया रूल के मातहत गिरफ्तार किये गये हैं और उन्हें इसलिये नहीं गिरफ्तार किया गया है कि वे पाकिस्तानी मुसलमान हैं।

श्री जगत नारायण : क्या वजीर साहिब बतलावेंगे कि पंजाब में कितने इन्फिल्ट्रेटर्स उतरे और अब तक कितने पकड़े गये और कितने पैराट्रूप्स उतरे और कितने पकड़े गये ?

श्री जयसुख लाल हाथी : मेरे पास इसकी संख्या नहीं है लेकिन जैसा मैंने बाजपेयी साहिब से कहा कि यह पंजाब के इर्दगिर्द की बात है, उत्तर प्रदेश में नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैंने उत्तर प्रदेश के बारे में पूछा था न कि पंजाब के बारे में।

†[] Hindi transliteration.

श्री जयसुख लाल हाथी : इसीलिए मैं बिलयर कर देना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं यह जानना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में जो पाकिस्तानी सी 130 ट्रांसपोर्ट प्लेन मार गिराया गया था और जिसके टुकड़े मिले हैं, उसका न चालक अभी तक पकड़ा गया और न उसमें बैठे हुए लोग ही पकड़े गये। इसलिये मैं जानना चाहता हूँ कि उस जहाज में बैठे हुए लोग कहाँ गायब हो गये ?

श्री जयसुख लाल हाथी : वही मैंने कहा कि उत्तर प्रदेश के बारे में मेरे पास सूचना नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या इसका अर्थ यह नहीं हुआ कि वे लोग अभी तक पकड़े नहीं गये ? आप इसका साफ जवाब दें।

श्री जयसुख लाल हाथी : उसमें से कोई पकड़ा नहीं गया।

SHRI BHUPESH GUPTA: It seems that Government does not have a clear policy in regard to this matter. We are receiving reports from "West Bengal" even this morning I got a report—that members of the minority community belonging to our Party and other secular and democratic parties are being arrested under the Defence of India Rules on the ground, in some cases, that they have "relatives in Pakistan or that they visited them last year and so on. May I know whether the country is going to have an assurance that such Muslims would not be arrested and that when the parties concerned or others can vouch for their integrity, Government would move in the matter and set all those people who have been arrested at liberty? We have brought this matter to the notice of the Home Minister and he has been good enough to consider this matter but I am bringing it

to the notice of the House also because even this morning I got a message, for example, the relatives of Poet Nazrul Islam have been arrested under the Defence of India Rules. We know them for the past thirty, fifty years. There is nothing against them.

SHRI GULZARILAL NANDA: It is a very different question. The hon. Member also met me and I asked him to give me the names so that I could personally see if there was anything. I will see that nothing is done which will not be on adequate grounds.

SHRI S. S. MARISWAMY: In this connection, I would like to bring to his notice the case of a gentleman, Mr. Peer Mohammad by name . . .

MR. CHAIRMAN: No, no names, please.

SHRI S. S. MARISWAMY: He is it. Sir.

MR. CHAIRMAN: Don't mention the names here. Give them to the Minister, if you so wish.

SHRI S. S. MARISWAMY: I do not mention the name, Sir. I will give it to the Minister. ' One gentleman in Tirunelveli District, Madras State, had offered to co-operate with the officers in the war effort and the Collector appreciated his offer but even without the knowledge of the Collector, the particular gentleman has been arrested in spite of the fact that he had offered his services. He is a good propagandist and the Collector appreciated his work. He was arrested and he belongs to a minority community. Is that right?

MR. CHAIRMAN: What is the question?

SHRI S. S. MARISWAMY: What are the reasons for his arrest?

SHRI BHUPESH GUPTA: How will such cases be dealt with by Government or have been dealt with by Government?

MR. CHAIRMAN: I think he can take care of himself.

SHRI GULZARILAL NANDA: Although it is not a question, I think it is an important enough matter that has been raised here which calls for a clarification from me. In respect of the many persons detained, it should not at all be construed that there is any kind of bias against any community. A number of people belonging to other communities have also been detained; this is a much larger number and, therefore, in every case, it is a question of the merits, the factual circumstances of each case. This is dealt with in the States. We lay down the principles but they have to carry out their responsibilities and they do not refer to us for each case. Still, I think I can exercise my good offices when I find that there is something which calls for a fresh review of the matter.

SHRI CHANDRA SHEKHAR: May I know whether Government is aware of the fact that the Indonesian Communist Party Leaders issued a statement to wage a civil war in the country when Pakistan started its aggression? Is it also a fact that the Chinese Communist Party instigated certain persons who belong to the Left Communist Party to collaborate with the paratroopers coming from Pakistan? In these circumstances, it is not a question of political affiliations but the particular activity against the nation that counts for getting them arrested.

MR. CHAIRMAN: What is the question?

SHRI CHANDRA SHEKHAR: The question is whether Government is aware of this fact that the Indonesian Communist Party and the Chinese Communist Party have been instigating the Left Communists in this country to collaborate with the Pakistani . . .

MR. CHAIRMAN: You do not have to repeat the whole thing. I just wanted to know what your question was.

SHRI GULZARILAL NANDA: All this has been made known to us from various sources as the hon. Member has been acquainted but what the response of the Left Communist has been on this, of course, we will also try to find out.

SHRI ARJUN ARORA: This crisis has revealed that many foreigners, including Pakistani citizens, overstay their visa in the country. May I know if the Home Ministry will take some steps which will ensure that no foreigner, whether Pakistani or otherwise, will overstay his visa in the country, and also whether prompt action and strong action will be taken against those who overstay their visas?

SHRI GULZARILAL NANDA: This is a matter fully under our consideration that our arrangements should be tightened so that there is no overstay as far as possible.

SHRI BHUPESH GUPTA: We know of the fantastic statement of an Indonesian Communist leader but we do not know of all the things he said. Anyhow may I ask the hon. Minister—it is not a question of any party; individuals are there, independents—a question? There is an independent M.L.A. in West Bengal who was arrested under the D.I.R. He was a captain in the Army and he offered his services to the Chief Minister of West Bengal. There are such people belonging to many parties. I would like to know whether the Government is going to lay down a clear-cut policy so that people are consulted. Suppose you have some doubt about some people, you can consult their party representatives or their organisations and satisfy yourself instead of getting them arrested. So I want to know from him whether he is aware that in some places—it is not Mr. Nanda or even some Minister—the local officials and others and some employers are getting some of the trade union and other people arrested because the going is good now under the D.I.R. and people could be put in jail.

SHRI GULZARILAL NANDA: It is entirely repugna.it to my own attitude that any person should be detained or his movements restrained because he is a trade union worker. Possibly a mistake might occur but I do not think any such thing has happened within my knowledge. And as I have told the hon. Member he can let me know if anything has occurred.

REVISION OF REFINERY AGREEMENT BY M/s. BURMAH SHELL

"808. SHRI P. K. KUMARAN: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether M/s. Burmah Shell have agreed to revise the existing refinery agreement; and

(b) if so, when the revised agreement is expected to be signed?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) and (b) Burmah-Shell have agreed in principle to the revision of the existing refinery agreement. Draft letters have been drawn up for the purpose and a reply from the company is awaited.

SHRI P. K. KUMARAN: What are the main features of the new agreement?

SHRI HUMAYUN KABIR: The major change will be that till now there was the refinery agreement which gave them certain privileges. In future they will be governed by the ordinary industrial licence. There are two features to which I would like to draw the attention of the House as a result of this industrial licence. The first great change will be regarding the utilisation of indigenous crude oil. In future indigenous crude oil which will include crude produced in the country or outside by the Government or by the Government in partnership with others will be used by these companies. The second is about the use of tankers. Indian tankers will be given preference. Under the old

refinery agreement these companies had the option of choosing their own tankers.

SHRI P. K. KUMARAN: Utilisation* of tankers is the option of the company?

SHRI HUMAYUN KABIR: Under the refinery agreement which was signed about ten or twelve years ago they had the option of choosing their tankers but under the new industrial licence it will be Indian tankers.

SHRI ARJUN ARORA: May I know if the agreement will take care of the price of crude which the Burma-Shell imports?

SHRI HUMAYUN KABIR: Regarding the price of crude also, this will be determined according to the formula laid down by the working group. There also there is a change from the past.

SHRI A. D. MANI: May I ask whether the Burmah-Shell during the present emergency, that is, during the recent conflict, was able to meet the defence requirements of India or was there any reluctance on their part to supply a certain kind of petroleum product? The second question I would like to ask is ...

SHRI HUMAYUN KABIR: Sir, one at a time would be better.

Now this supplementary does not arise from this question but in order to remove any misgivings or doubts, I would say that there has been full co-operation from them.

SHRI C. D. PANDE: May I know whether the Government propose to insert a stipulation that in case of non-availability of crude from their sources they will be forced to utilise the crude that we will supply to them? For example, they get their crude from Persia but if Persia failed to supply crude to them, it should be incumbent on them to utilise the crude that we may be able to give them.